7. जगमग घर को देखने का सुख

लिखित

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

1. लेखक दीवाली का त्योहार मुंबई में अपने परिवार के साथ मनाना चाहते हैं।
2. लेखक दीवाली के दिन अपने गाँव के पक्के घर की छत पर मोमबत्ती जलाना चाहते थे। यही उनकी अधूरी इच्छा थी।
3. लेखक के बचपन में गाँव में बिजली नहीं होती थी। दीवाली की रात जब बच्चे फुलझड़ी जलाया करते थे तो उसकी रोशनी दूर तक चमकती थी, इसलिए लेखक ने दीवाली को 'रोशनी का त्योहार' माना है।
4. लेखक दूसरे के घर जाकर दूर से अपने घर में जलते हुए दीये देखा करते थे। इससे उन्हें

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

1. दीवाली के दिनों में लेखक के उत्साहित होने का विशेष कारण यह था कि उनके नाटक का 'रिहर्सल ब्रेक' हो जाता था। उन दिनों दशहरा, दीवाली, गोधन कुटाई, छठ आदि त्योहार लगातार आते थे और पूरा समय त्योहारी होता था। इस कारण भी लेखक उत्साहित रहते थे।

2. लेखक के बचपन में दीवाली के दिन घर में अच्छे पकवान बनाते थे। लक्ष्मी जी की पूजा होती थी। घी के पाँच दीयों के अलावा सरसों और तीसी के तेल के दीये जलाए जाते थे। बच्चे फुलझड़ी जलाते थे। लेखक ने आज के बच्चों को सलाह दी है कि वे एक दिन के लिए स्मार्टफोन या डिजिटल दुनिया से दूर होकर अपने मित्रों और परिवार के साथ दीवाली मनाएँ।

3. खपरैल की छत पत्थर, धातु आदि के टुकड़ों से बनाई जाती है। यह समतल नहीं होती, इसलिए इस पर दीया-मोमबत्ती रखो उनके गिरने का खतरा रहता है। लेखक के घर पहले खपरैल की छत थी, जिस पर दीया-मोमबत्ती जलाने की इच्छा अधूरी रह गई थी।

4. लेखक के बचपन में गाँव के लोग एक-दूसरे की मदद करते हुए दीवाली मनाते थे। किसी के घर में कोई चीज न होती तो दूसरे से मिल जाती थी। कहीं से घी, कहीं से तेल, कहीं से दीया या कपास आदि मिल जाता। इस प्रकार मिल-जुलकर दीवाली मनाई जाती थी, इसलिए लेखक ने उसे सामूहिकता का त्योहार कहा है।

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न

1. क. iii. मैं कभी उदास नहीं हुआ। ✓

ख. i. गाँव मेरे दिल के बहुत करीब है। ✓

2. i. पहले लेखक किराये के घर में रहते थे। अब उन्होंने एक घर खरीद लिया था। यहाँ 'अब' का अर्थ है- घर खरीदने के बाद घर का मालिक बनकर।

ii. यहाँ दीवाली का अर्थ केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि भरपूर खुशी है।

3. i. लगन का अर्थ विवाह है।

ii. त्योहारों के विशेष अवसर को शुभ माना जाता है, इसलिए उन दिनों में लोग लगन संबंधी कार्य आरंभ कर देते हैं।

व्यावहारिक और परिस्थितिजन्य भाषा

भाषायी घटक

1. वर्ण-विच्छेद कीजिए -

व्यवस्था – व् + य् + अ + व् + अ + स् + थ् + आ

त्रिपाठी – त् + र् + इ + प् + आ + ठ् + ई

विज्ञापन – व् + इ + ज् + ञ् + आ + प् + अ + न् + अ

पर्व – प् + अ + र् + व् + अ

शुरुआत – श् + उ + र् + उ + आ + त् + अ

2. **निम्नलिखित वाक्यों में से पाँच संज्ञाएँ और पाँच विशेषण रेखांकित करके उनके भेद भी लिखिए—**

	संज्ञा-भेद	विशेषण-भेद
क. तेज़ आवाज़ से मवेशी डर जाते हैं।	....जातिवाचक....	....गुणवाचक....
ख. कामना है, आप सब के लिए दीवाली शुभ हो।	....व्यक्तिवाचक....	....गुणवाचक....
ग. दीये में कुछ तेल डाला करते।	....जातिवाचक....	....परिमाणवाचक....
घ. यह त्योहार साल में एक दिन आता है।	....जातिवाचक....	....सार्वनामिक....
ङ. मुंबई में मैंने अपना पहला घर खरीदा।	....व्यक्तिवाचक....	....संख्यावाचक....

3. **दो-दो पर्यायवाची लिखिए—**

घर	—	....गृह....	....सदन....	दीया	—	....दीपक....	....चिराग....
रोशनी	—	....प्रकाश....	....उजाला....	भाई	—	....भ्राता....	....बंधु....
माँ	—	....माता....	....जननी....	ताकत	—	....शक्ति....	....बल....

4. **विलोम लिखिए—**

पहला	—	....आखिरी....	सुंदर	—	....कुरूप....	इच्छा	—	....अनिच्छा....
सुविधा	—	....असुविधा....	तेज़	—	....धीमा....	ताकत	—	....कमज़ोरी....

5. **पाठ में से तीनों काल (वर्तमान, भूत, भविष्यत्) वाले वाक्य चुनकर लिखिए—**

वर्तमान — .....मैं लोगों से अपनों के बीच दीवाली मनाने की गुज़ारिश कर रहा हूँ।....

भूत — ....घर में अच्छा पकवान बनता था।....

भविष्यत् — ....मुंबई में बीवी-बच्चों के साथ त्योहार मनाऊँगा।....

6. **प्रत्यय से शब्द-निर्माण कीजिए—**

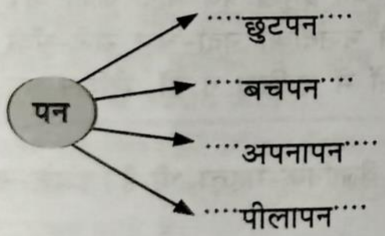

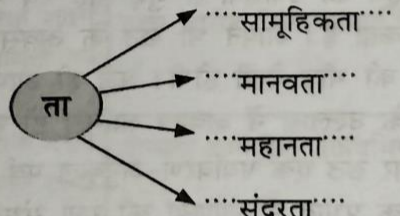

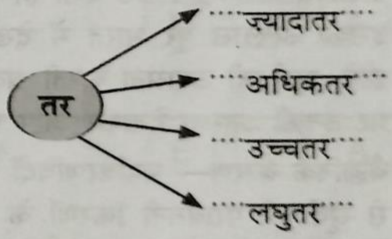

7. **उपसर्ग से शब्द-निर्माण कीजिए—**

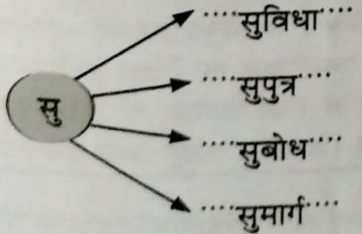

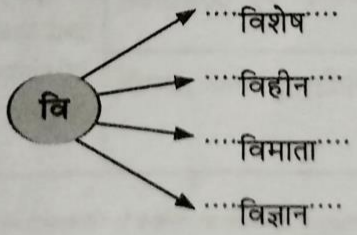

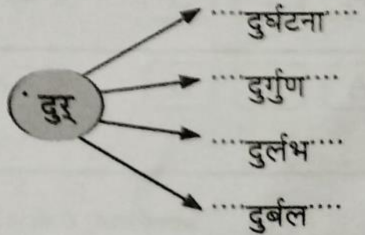

8. **निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों के लिए कोष्ठक में दिए गए उचित विकल्प पर ✓ का चिह्न लगाइए—**

क. हम दोनों दीवाली खूब मनाया करते।	(विशेषण/क्रियाविशेषण)✓
ख. मैं बचपन की अधूरी इच्छा पूरी करूँगा।	(क्रियाविशेषण/विशेषण)✓
ग. मुंबई में मैंने पहला घर खरीदा।	(विशेषण✓/क्रियाविशेषण)
घ. आप मुझसे पहले आए थे।	(विशेषण/क्रियाविशेषण)✓
ङ. दीवाली पर हमने खूब पटाखे जलाए।	(क्रियाविशेषण/विशेषण)✓